

Syllabus For

B.A. in HINDI

Degree Programme:

**3years Degree with Hindi/4 years Degree with Hindi
Honours/4years Degree with Hindi Honours with
Research**

Under

Choice Based Credit System (CBCS)

and

Learning Outcome Based Curriculum Framework



KAZI NAZRUL UNIVERSITY

ASANSOL

WEST BENGAL- 713340

Student exiting the programmes after securing 40 credits will be awarded UG Certificate in the relevant Discipline/Subject provided they secure following 4 credits in work based vocational courses / summer internship during 1st year

Semester-I

Course Name: Hindi Sahitya Ka Itihas

Course Code: BAHINMJ101

Course Type: MAJOR (Theoretical)	Course Details: MJC-1		L-T-P: 4-1-0		
Credit: 5	Full Marks: 100	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		30	70

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी 10 वीं शताब्दी से अब तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और विशेष रूप से साहित्यिक सन्दर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिन्दी साहित्य के विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे
3. 11सौ वर्षों के हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।
4. हिन्दी साहित्य के रचानाकारों और रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।



5. अपभ्रंश, राजस्थानी, मैथिली, भोजपुरी, अवधी, ब्रज भाषा, खड़ी बोली आदि के विकास को समझ पाने में समर्थ होंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई : एक

साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

काल विभाजन और नामकरण

इकाई : दो

आदिकालीन काव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि

आदिकालीन साहित्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासोकाव्य, लौकिक काव्य

आदिकालीन गद्य : सामान्य परिचय

इकाई : तीन

भक्तिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक तथा साहित्यिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि

भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

भक्तिकालीन काव्य की विविध धाराएँ : निर्गुण काव्यधारा (संतकाव्य, सूफीकाव्य), सगुण काव्यधारा (रामभक्ति काव्य, कृष्णभक्ति काव्य)

इकाई : चार

रीतिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

रीतिकालीन काव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त

इकाई : पाँच

भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई : छः

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास
कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध

सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :

- 1 हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- 2 हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
- 3 हिंदी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
- 4 हिंदी साहित्य का आदिकाल- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली हिंदी
- 5 इतिहास और आलोचक दृष्टि- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- 6 हिंदी साहित्य का आधा इतिहास –सुमनराजे, भारतीयज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
- 7 साहित्येतिहास :संरचना और स्वरूप-सुमन राजे, ग्रंथन प्रकाशन, कानपुर
- 8 हिंदी साहित्य का इतिहास- डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपरबुक्स, नोएडा
- 9 रीति काव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंगहाउस, नयी दिल्ली
- 10 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चनसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- 11 हिंदी साहित्य का इतिहास- विजेंद्रसातक, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
- 12 साहित्य और इतिहास दृष्टि- मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
- 13 हिंदी साहित्य का इतिहास- विश्वनाथ त्रिपाठी, एन० सी० इ० आर० टी०. नयी दिल्ली
- 14 हिंदी गद्य : उद्भव और विकास- रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी



- 15 हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- रामकुमार वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
16. हिंदी साहित्य का नया इतिहास- रामखेलावन पाण्डेय, अनुपम प्रकाशन, पटना
- 17 साहित्य का इतिहास दर्शन- नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- 18 हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- गणपति चंद्रगुप्त, भारतेंदु भवन, चंडीगढ़
- 19 हिंदी साहित्य का समेकित इतिहास- संडॉॅनगेन्द्र. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय

Semester-I

Course Name: Hindi Sahitya Ka Itihas

Course Code: BAHINMN101

Course Type: MINOR (Theoretical)	Course Details: MNC-1		L-T-P: 4-1-0		
Credit: 5	Full Marks: 100	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		30	70

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी 10 वीं शताब्दी से अब तक के सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और विशेष रूप से साहित्यिक सन्दर्भों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।



2. हिन्दी साहित्य के विकासात्मक स्वरूप से परिचित हो सकेंगे
3. 11सौ वर्षों के हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों से परिचित हो सकेंगे।
4. हिन्दी साहित्य के रचानाकारों और रचनाओं से परिचित हो सकेंगे।
5. अपभ्रंश, राजस्थानी, मैथिली, भोजपुरी, अवधी, ब्रज भाषा, खड़ी बोली आदि के विकास को समझ पाने में समर्थ होंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई : एक

साहित्येतिहास लेखन की परंपरा

काल विभाजन और नामकरण

इकाई : दो

आदिकालीन काव्य : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि

आदिकालीन साहित्य : प्रमुख प्रवृत्तियाँ

सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासोकाव्य, लौकिक काव्य

आदिकालीन गद्य : सामान्य परिचय

इकाई : तीन

भक्तिकाल : सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक तथा साहित्यिक पृष्ठभूमि, प्रमुख निर्गुण कवि, प्रमुख सगुण कवि

भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

भक्तिकालीन काव्य की विविध धाराएँ : निर्गुण काव्यधारा (संतकाव्य, सूफीकाव्य), सगुण काव्यधारा (रामभक्ति काव्य, कृष्णभक्ति काव्य)



इकाई : चार

रीतिकाल की सामाजिक-सांस्कृतिक, राजनैतिक और साहित्यिक पृष्ठभूमि

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

रीतिकालीन काव्यधाराएँ : रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त

इकाई : पाँच

भारतेन्दुयुगीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

द्विवेदीयुगीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद तथा समकालीन कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई : छः

हिंदी गद्य : उद्भव और विकास

कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध

सहायक ग्रन्थ/सन्दर्भ ग्रन्थ :

- 1 हिंदी साहित्य का इतिहास-रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
- 2 हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
- 3 हिंदी साहित्य की भूमिका- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
- 4 हिंदी साहित्य का आदिकाल- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली हिंदी
- 5 इतिहास और आलोचक दृष्टि- रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- 6 हिंदी साहित्य का आधा इतिहास –सुमनराजे, भारतीयज्ञानपीठ, नयी दिल्ली
- 7 साहित्येतिहास :संरचना और स्वरूप-सुमन राजे, ग्रंथन प्रकाशन, कानपुर
- 8 हिंदी साहित्य का इतिहास- सं०डॉ०नगेन्द्र, मयूर पेपरबुक्स, नोएडा
- 9 रीति काव्य की भूमिका –डॉ०नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंगहाउस, नयी दिल्ली
- 10 हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास –बच्चनसिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
- 11 हिंदी साहित्य का इतिहास- विजेंद्रसनातक, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
- 12 साहित्य और इतिहास दृष्टि- मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली



- 13 हिंदी साहित्य का इतिहास- विश्वनाथ त्रिपाठी, एन० सी० इ० आर० टी०. नयी दिल्ली
- 14 हिंदी गद्य : उद्भव और विकास- रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- 15 हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास- रामकुमार वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद
16. हिंदी साहित्य का नया इतिहास- रामखेलावन पाण्डेय, अनुपम प्रकाशन, पटना
- 17 साहित्य का इतिहास दर्शन- नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
- 18 हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास- गणपति चंद्रगुप्त, भारतेंदु भवन, चंडीगढ़
- 19 हिंदी साहित्य का समेकित इतिहास- सं०डॉ०नगेन्द्र. हिंदी माध्यम कार्यान्वय निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय



Kaju Kumari Shaw

Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

Semester –I
Course Name :Patrakarita
COURSE CODE : MDC112

Course Type: MD	Course Details: MDC-1	L-T-P: 2 -1 - 0			
Credit: 3	Full Marks: 50	CA Marks		ESE Marks	
		Practica 1	Theoreti cal	Practical	Theoreti cal
		15	35

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. कार्य करने की क्षमता का विकास विद्यार्थियों में होगा।
2. इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया के विविध पक्षों की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।
3. विद्यार्थी सृजन कार्य कर सकेंगे और पत्रकारिता क्षेत्र की बारीकियों को समझ सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1- हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास

इकाई-2 प्रिंट माध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ

इकाई-3 इलेक्ट्रॉनिक माध्यम की पत्रकारिता : चुनौतियाँ एवं उपलब्धियाँ

इकाई-4. साहित्यिक पत्रकारिता एवं पीत पत्रकारिता



संदर्भ ग्रंथ:

1. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ- विनोद गोदरे
2. समाचार, फीचर लेखन और सम्पादन कला – हरिमोहन
3. समाचार संकलन और लेखन- नंदकिशोर त्रिखा
4. हिंदी पत्रकारिता का विकास – एन. सी.पंत
5. आधुनिक पत्रकारिता- अर्जुन तिवारी
6. लघु पत्रिकाएं और साहित्यिक पत्रकारिता – धर्मेन्द्र गुप्त
7. जनमाध्यम प्रौद्योगिकी और विचारधारा-जगदीश्वर चतुर्वेदी
8. पत्रकारिता संदर्भकोश-- सूर्यकान्त दीक्षित
9. पत्रकारिता के विविध आयाम--रामचंद्र तिवारी
10. हिंदी के यशस्वी पत्रकार-- क्षेमचंद सुमन
11. समाचार और प्रारूप लेखन-- सुभाष धूलिया
12. राष्ट्रीय नवजागरण-हिंदी पत्रकारिता-- मीरा रानी बल
13. आधुनिक पत्रकार कला--विष्णुदत्त शुक्ल
14. सूचना का अधिकार-- सं० हरिवंश
15. आधुनिक पत्रकारिता-- अर्जुन तिवारी
16. मीडिया समग्र (11 खंड) --जगदीश्वर चतुर्वेदी



Semester-I

Course Name: Hindi Vyakaran Aur Sampreshan (MIL COMMUNICATION)

Course Code: AECH101

Course Type: AE (Theoretical)	Course Details: AEC-1		L-T-P: 4-0-0		
Credit: 4	Full Marks: 50	CA Marks		ESE Marks	
		Practica 1	Theoreti cal	Practical	Theoreti cal
		15	35

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी हिन्दी व्याकरण की समझ विकसित कर सकेंगे।
2. हिन्दी भाषा के शुद्ध उच्चारण और लेखन में सक्षम हो सकेंगे।
3. हिन्दी भाषा की संप्रेषणीयता से परिचित हो सकेंगे।
4. हिन्दी में परिचर्चा करने और साक्षात्कार लेने की क्षमता का विकास होगा।

Content/ Syllabus:

इकाई-1:

काल, क्रिया, अव्यय एवं कारक का परिचय
उपसर्ग, प्रत्यय, संधि तथा समास



इकाई-2 :

शब्द शुद्धि , वाक्य शुद्धि, मुहावरे और लोकोक्तियाँ
पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द ,अनेक शब्दों के लिए एक शब्द,
पल्लवन और संक्षेपण

इकाई-3:

संप्रेषण की अवधारणा और महत्त्व
संप्रेषण के प्रकार

इकाई- 4 :

अध्ययन, वाचन और चर्चा : प्रक्रिया और बोध
साक्षात्कार, भाषण कला एवं रचनात्मक लेखन

संदर्भ ग्रथ :

1. संप्रेषण परक व्याकरण : सिद्धांत और स्वरूप – सुरेश कुमार
2. हिन्दी व्याकरण –कामता प्रसाद गुरु
3. हिन्दी व्याकरण –एन .सी .ई.आर. टी.
4. हिंदी व्याकरण शब्द और अर्थ—हरदेव बाहरी
5. रचनात्मक लेखन – सं. रमेश गौतम
6. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना – वासुदेव नंदन प्रसाद
7. हिंदी क्रियाओ की रूप-रचना – बद्रीनाथ कपूर
8. हिन्दी व्याकरण मीमांसा – काशीराम शर्मा
9. वाक्या-संरचना और विश्लेषण - बद्रीनाथ कपूर
10. मानक हिंदी के शुद्ध प्रयोग (1-4) – रमेशचंद्र महरोत्रा



Semester-I

Course Name: KARYALAYI HINDI

Course Code: BAHINSE101

Course Type: SE (Theoretical)	Course Details: SEC-1		L-T-P: 2-1-0		
Credit: 3	Full Marks: 50	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		15	35

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. कार्यालयी हिन्दी के स्वरूप और प्रयोग क्षेत्र को जान सकेंगे।
2. प्रशासनिक पत्राचार के प्रारूप और उनके प्रयोग संदर्भों को समझ सकेंगे।
3. कार्यालयी हिन्दी में अनुवाद की भूमिका और आवश्यकता पर प्रकाश डाल सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1: कार्यालयी हिन्दी : विविध स्वरूप



इकाई-2-प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र, अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, अनुस्मारक, निविदा, परिपत्र, अधिसूचना

इकाई-3: कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका, कार्यालयी अनुवाद

इकाई-4: कार्यालयी और साहित्यिक अनुवाद में अंतर, अनुवाद की समस्याएं

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी :सिद्धांत और प्रयोग- दंगल झाल्टे
2. हिंदी पत्रकारिता और जनसंचार—ठाकुरदत्त शर्मा 'आलोक'
3. राजभाषा हिंदी—भोलानाथ तिवारी
- 4.राजभाषा हिंदी –प्रकाशन विभाग, भारत सरकार
5. नागरी लिपि : लिपि और वर्तनी--अनंत चौधरी
6. नागरी लिपि और उसकी समस्याएं --नरेश शर्मा
7. व्यवहारिक हिंदी --रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
8. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएं और समाधान --देवेन्द्रनाथ शर्मा
9. हिंदी आलोचना और टिप्पणी --ओमप्रकाश शर्मा
- 10.अनुवाद अनुसृजन -- सं. : ए. अरविंदाक्षन



Semester-II

Course Name: Aadikalin Evam Madhyakalin Kavya

Course Code: BAHINMJ201

Course Type: MAJOR (Theoretical)	Course Details: MJC-2	L-T-P: 4-1-0			
Credit: 5	Full Marks: 100	CA Marks		ESE Marks	
		Practica 1	Theoreti cal	Practical	Theoreti cal
		30	70

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी हिंदी साहित्य के आदिकाल और मध्यकाल के विकास, प्रवृत्तियों, कविताओं और रचनाकारों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. विद्यार्थी इसमें भारतीय कविता के अस्तित्व और भक्ति के तल के क्लासिकल रूप को जान सकते हैं।
3. विद्यार्थी आठ प्रतिनिधि रचनाकारों की कुछ प्रमुख रचनाओं के पाठ को हृदयंगम कर सकेंगे।
4. बारह महत्वपूर्ण कवियों की रचनाओं की अंतर्वस्तु से परिचित हो सकेंगे।
5. भोजपुरी, मैथिली, अवधी, ब्रज भाषा की बानगियां विद्यार्थियों को यहां प्राप्त हो सकेगी।
6. हिन्दी की बोलियों की विविधता को समझ पाने में सक्षम हो सकेंगे।



Content/ Syllabus:

इकाई : एक

अमीर खुसरो (अमीर खुसरो—सं. माधव हाड़ा से 5-5 पहेलियाँ और मुकरियाँ) :

पहेलियाँ – 1. एक नार तरवर से उतरी मा सो जनम ना पायो, 2. नर नारी को जो नर भाय,
3. एक नार ने अचरज किया, 4. एक तिरिया है नकचढ़ी, 5. नार जगत की जीवन मूल ।

मुकरियाँ – 1. पड़ी थी मैं अचानक चढ़ आओ। 2. रात समय वह मेरे घर आवे। 3. मेरा मुँह
पोंछे मोको प्यार करो। 4. वह आवे तब शादी होय। 5. सेज पड़ी मेरे आँखों आया।

विद्यापति (विद्यापति –सं. शिवप्रसाद सिंह से 5 पद) : 1. विदिता देवि विदिता हो(1) 2.
नंदक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे(8) 3. सुन रसिया, अब न बजाऊ बिपिन बंसिया(9) 4. को
हमे साँझक एकसरि तारा(51) 5. मधुपुर मोहन गेल रे, मोरा बिदरत छाती(54)

इकाई: दो

कबीर (कबीर ग्रंथावली –सं. श्यामसुंदर दास से 5 पद) : 1. संतों भाई आई ज्ञान
की आंधी रे(16) 2. चलन चलन सब कोई कहत है, न जाने बैकुण्ठ कहाँ है (24) 3. पांडे
कौन कुमति तोहि लागी (39) 4. पंडित बाद वदंते झूठा (40) 5. माया तजूं तजी नहीं
जाइ(84)

रहीम (रहीम—सं. माधव हाड़ा से 10 पद)

1. अब रहीम चुप करि रहउ, समुझि दिनन कर फेर।(7) 2. ओछो काम बड़े करें, तौ न बड़ाई
होय।(21) 3. चिंता बुद्धि परेखिए, टोटे परख त्रियाहिं।(57) 4. जैसी परै सो सही रहै, कहि
रहीम यह देह। (73) 5. जो रहीम गति दीप की, सुत सपूत की सोय ।(84) 6. बड़े बड़ाई ना
करैं, बड़ो न बोलैं बोल। (135) 7. मान सहित विष खाय के, संभु भये जगदीस ।(157) 8.
रहिमन ओछे नरन सों, बैर भलो ना प्रीति।(183) 9. रहिमन निज संपति बिना, कोउ न विपति
सहाय(214) 10. समय पाय फल होत है, समय पाय झरि जाय।(272)



इकाई: तीन

जायसी (जायसी—सं. आ. रामचंद्र शुक्ल, मानसरोदक खंड के 5 पद) 1. खेलत मानसरोवर गई। जाइ पालि पर ढाढ़ी भई। 2. सरवर तीर पदुमिनी आई। खोंपा छोरि केस मोर काई। 3. धरी तीर सब छीपक सारी। सरवर महुँ पैठी सब बारी। 4. सखी एक तेई खेलन जाना। चित अचेत भइ हार गँवाना। 5. कहा मानसर चहा सो पाई। पारस रूप इहाँ लागि आई।

तुलसीदास(कवितावली के 'उत्तरकाण्ड' से 5 पद) : - 1. मनोराजु करत अकाजु भयो आजु लागि, चाहे चारु चीर, पै लहै न टूकु टाटको (66) 2. ऊँचो मनु, ऊँची रुचि, भागु नीचो निपट ही, लोकरीति-लायक न, लंगर लबारु है (67) 3. जातिके, सुजातिके, कुजाति के पेटागि बस खाए टूक सबके, बिदित बात दुनीं सो(71) 4. किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट, चाकर, चपल नट, चोर, चार, चेटकी(96), 5. धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलाहा कहौ कोऊ (106)

इकाई: चार

सूरदास (सूरदास सटीक –सं. धीरेन्द्र वर्मा से 5 पद) : 1. अबिगत-गति कछु कहत न आवै(विनय तथा भक्ति : 2) 2. सिखवति चलन जसोदा मैया(गोकुल लीला : 20) 3. बुझत स्याम कौन तू गौरी(राधा-कृष्ण : 2) 4. आए जोग सिखावन पांडे (उद्धव-सन्देश : 69) 5. निरगुन कौन देस कौ बासी ?(उद्धव-सन्देश : 77)

मीराबाई (मीरा का काव्य- सं. विश्वनाथ त्रिपाठी से 5 पद) : 1. आली री म्हारे पैणा बाण पड़ी

2. म्हारां री गिरिधर गोपाल दूसरा णा कूयां 3. जोगिया जी निसदिन जोवां थारी बाट 4. को बिरहिनी को दुःख जाणै हो 5. राम नाम रस पीजै मनआं, राम नाम रस पीजै

इकाई: पांच

बिहारी(बिहारी-रत्नाकर –सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर से 10 दोहे) : 1. बैठी रही अति सघन बन, पैठि सदन-तन माँह(52) 2. कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात(60) 3. या



अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोई(121) 4. मोहन-मूरति स्याम की अति अद्भुत गति जोड़(161) 5. बड़े न हूजै गुननु बिनु बिरद-बड़ाई पाइ(191) 6. तजि तीरथ हरि राधिके(201) 7. कोरि जातन कोऊ करू, परै न प्रकृतिहिं बीचु(341) 8. दुसह दुराज प्रजानु कौं क्यों न बढै दुःख-दंदु (357) 9. दग उरझत, टूटत कुटुम, जुरत चतुर-चित प्रीति(363) 10. बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ (472)

घनानंद (घनानंद कवित्त –सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र से 5 पद) : 1. झलकै अति सुन्दर आनन गौर (2) 2. पहिलें घन-आनंद सींचि सुजान कहीं बतियाँ अति प्यार पगी (10) 3. रावरे रूप की रीति अनूप, नयो-नयो लागत ज्यौं-ज्यौं निहारियै (15) 4. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बांक नहीं (82) 5. पूरन प्रेम को मंत्र महा पण जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ (97)

इकाई: छः

पद्माकर (रीतिकाव्य संग्रह—सं. जगदीश गुप्त, 5 पद) : 1. जाहिरै जागति सी जमुना जब बूड़ै बहै उमगै वह बैनी 2. भाल पै लाल गुलाल, गुलाल सों गेरि गरै गजरा अलबेलौ 3. हौं अलि आज बड़े तरके भरि कै घट गौरस कौं पग धारों 4. जब लौं घर को धनी आवै घरै तब लौं तौ कहूँ चित देवों करौ 5. हैं नहि माइको मेरी भट्ट यह सासुरो है सब कि सहिबो करौ

भूषण (स्वर्ण मञ्जूषा— सं. नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार से 5 पद) : 1. पावक तुल्य अमीतन को भयो (1) 2. इंद्र जिमि जम्भ पर बाडव ज्यौं अंभ पर(5) 3. बासब-से बिसरत बिक्रम की कहा चली(11) 4. भुज-भुजगेस की वै संगिनी भुजंगिनी-सी (17) 5. साजि चतुरंग बीर-रंग में तुरंग चढ़ि(20)

सहायक ग्रन्थ / सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. अमीर खुसरो- सं. माधव हाड़ा, राजपाल एण्डसन्ज़, मदरसारोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली -110006
2. विद्यापति –शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. कबीर ग्रंथावली –सं० श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
4. रहीम- सं. माधव हाड़ा, राजपाल एण्डसन्ज़, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली - 110006
5. सूरसागर सटीक –सं०- धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लिमिटेड, इलाहाबाद
6. कवितावली- तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
7. मीरा का काव्य- सं० विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. मीरा- एक पुनर्मूल्यांकन-- सं० पल्लव, आधार प्रकाशन, हरियाणा
9. पचरंग चोला पहर सखी री-- माधव हाड़ा -, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. बैद हि ओखद जाणै - माधव हाड़ा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. बिहारी रत्नाकर- जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. घनानंद-कवित्त –सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
13. स्वर्ण-मंजूषा- सं० नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार; मोतीलाल-बनारसी दास, दिल्ली
14. कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. भक्ति-काव्य यात्रा-रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि- द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
17. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य- मैनेजर पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. सूरदास –आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
19. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
20. लोकवादी तुलसीदास-विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
21. घनानंद – लल्लन राय, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
22. रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
23. बिहारी-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
24. महाकवि भूषण- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी



25. सूरदास –सं० हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
26. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा–मनोहरलाल गौड़, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
27. महाकवि सूरदास –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद
28. सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
29. खुसरो , तानसेन तथा अन्य कलाकार – सुलोचना वृहस्पति
30. अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य – भोलानाथ तिवारी
31. पद्माकर कवि – सुकदेव दुबे
32. पद्माकर की रचनाओं का पुनर्मूल्यांकन – डॉ. सुषमा शर्मा
33. पद्माकर की काव्य साधना – अखौरी गंगा प्रसाद सिंह
34. देव और पद्माकर तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. राम कुमार शर्मा
35. रहीम का नीति काव्य – बालकृष्ण अकिंचन
36. रहीम की राष्ट्रीयता – देवेन्द्र प्रताप सोलंकी
37. अब्दुरहीम खानखाना – समर बहादुर सिंह



Semester-II

Course Name: Aadikalin Evam Madhyakalin Kavya

Course Code: BAHINMN201

Course Type: MINOR (Theoretical)	Course Details: MNC-2		L-T-P: 4-1-0		
Credit: 5	Full Marks: 100	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		30	70

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी हिंदी साहित्य के आदिकाल और मध्यकाल के विकास, प्रवृत्तियों, कविताओं और रचनाकारों की जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. विद्यार्थी इसमें भारतीय कविता के अस्तित्व और भक्ति काल के क्लासिकल रूप को जान सकते हैं।
3. विद्यार्थी आठ प्रतिनिधि रचनाकारों की कुछ प्रमुख रचनाओं के पाठ को हृदयंगम कर सकेंगे।
4. आठ महत्वपूर्ण कवियों की रचनाओं की अंतर्वस्तु से परिचित हो सकेंगे।
5. भोजपुरी, मैथिली, अवधी, ब्रज भाषा की बानगियां विद्यार्थियों को यहां प्राप्त हो सकेगी।
6. हिन्दी की बोलियों की विविधता को समझ पाने में सक्षम हो सकेंगे।



Content/ Syllabus:

इकाई : एक

अमीर खुसरो (अमीर खुसरो—सं. माधव हाड़ा से 5 -5 पहेलियाँ और मुकरियाँ) :

पहेलियाँ – 1. एक नार तरवर से उतरी मा सो जनम ना पायो, 2. नर नारी को जो नर भाय,
3. एक नार ने अचरज किया, 4. एक तिरिया है नकचढ़ी, 5. नार जगत की जीवन मूल ।

मुकरियाँ – 1. पड़ी थी मैं अचानक चढ़ आओ। 2. रात समय वह मेरे घर आवे। 3. मेरा मुँह
पोंछे मोको प्यार करो। 4. वह आवे तब शादी होय। 5. सेज पड़ी मेरे आँखों आया।

विद्यापति (विद्यापति –सं. शिवप्रसाद सिंह से 5 पद) : 1. विदिता देवि विदिता हो(1) 2.
नंदक नन्दन कदम्बेरि तरुतरे(8) 3. सुन रसिया, अब न बजाऊ बिपिन बंसिया(9) 4. को
हमे साँझक एकसरि तारा(51) 5. मधुपुर मोहन गेल रे, मोरा बिदरत छाती(54)

इकाई: दो

कबीर (कबीर ग्रंथावली –सं. श्यामसुंदर दास से 5 पद) : 1.संतों भाई आई ज्ञान
की आंधी रे(16) 2. चलन चलन सब कोई कहत है, न जाने बैकुण्ठ कहाँ है (24) 3. पांडे
कौन कुमति तोहि लागी (39) 4. पंडित बाद वदंते झूठा (40) 5.माया तजूं तजी नहीं
जाइ(84)

रहीम (रहीम—सं. माधव हाड़ा से 10 पद)

1. अब रहीम चुप करि रहउ, समुझि दिनन कर फेर।(7) 2. ओछो काम बड़े करें, तौ न बड़ाई
होय।(21) 3. चिंता बुद्धि परेखिए, टोटे परख त्रियाहिं।(57) 4. जैसी परै सो सही रहै, कहि
रहीम यह देह। (73) 5. जो रहीम गति दीप की, सुत सपूत की सोय ।(84) 6. बड़े बड़ाई ना
करैं, बड़ो न बोलैं बोल। (135) 7. मान सहित विष खाय के, संभु भये जगदीस ।(157) 8.
रहिमन ओछे नरन सों, बैर भलो ना प्रीति।(183) 9. रहिमन निज संपति बिना, कोउ न विपति
सहाय(214) 10. समय पाय फल होत है, समय पाय झरि जाय।(272)



इकाई: तीन

जायसी (जायसी—सं. आ. रामचंद्र शुक्ल, मानसरोदक खंड के 5 पद) 1. खेलत मानसरोवर गई । जाइ पालि पर ढाढ़ी भई । 2. सरवर तीर पदुमिनी आई । खोंपा छोरि केस मोर काई । 3. धरी तीर सब छीपक सारी । सरवर महुँ पैठी सब बारी । 4. सखी एक तेई खेलन जाना । चित अचेत भइ हार गँवाना । 5. कहा मानसर चहा सो पाई । पारस रूप इहाँ लागि आई ।

तुलसीदास(कवितावली के 'उत्तरकाण्ड' से 5 पद) : - 1. मनोराजु करत अकाजु भयो आजु लागि, चाहे चारु चीर, पै लहै न टूकु टाटको (66) 2. ऊँचो मनु, ऊँची रुचि, भागु नीचो निपट ही, लोकरीति-लायक न, लंगर लबारु है (67) 3. जातिके, सुजातिके, कुजाति के पेटागि बस खाए टूक सबके, बिदित बात दुनीं सो(71) 4. किसबी, किसान-कुल, बनिक, भिखारी, भाट, चाकर, चपल नट, चोर, चार, चेटकी(96), 5. धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलाहा कहौ कोऊ (106)

इकाई: चार

सूरदास (सूरदास सटीक –सं. धीरेन्द्र वर्मा से 5 पद) : 1. अबिगत-गति कछु कहत न आवै(विनय तथा भक्ति : 2) 2. सिखवति चलन जसोदा मैया(गोकुल लीला : 20) 3. बुझत स्याम कौन तू गौरी(राधा-कृष्ण : 2) 4. आए जोग सिखावन पांडे (उद्धव-सन्देश : 69) 5. निरगुन कौन देस कौ बासी ?(उद्धव-सन्देश : 77)

मीराबाई (मीरा का काव्य- सं. विश्वनाथ त्रिपाठी से 5 पद) : 1. आली री म्हारे जैणा बाण पड़ी

2. म्हारां री गिरिधर गोपाल दूसरा णा कूयां 3. जोगिया जी निसदिन जोवां थारी बाट
4. को बिरहिनी को दुःख जाणै हो 5. राम नाम रस पीजै मनआं, राम नाम रस पीजै

इकाई: पांच

बिहारी(बिहारी-रत्नाकर –सं. जगन्नाथ दास रत्नाकर से 10 दोहे) : 1. बैठी रही अति सघन बन, पैठि सदन-तन माँह(52) 2. कागद पर लिखत न बनत, कहत संदेसु लजात(60) 3. या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं कोई(121) 4. मोहन-मूरति स्याम की अति अद्भुत गति जोइ(161) 5. बड़े न हूजै गुननु बिनु बिरद-बड़ाई पाइ(191) 6. तजि तीरथ हरि राधिके(201) 7. कोरि जातन कोऊ करू, परै न प्रकृतिहिं बीचु(341) 8. दुसह दुराज प्रजानु कौं क्यौं न बढै



दुःख-दंढु (357) 9. दृग उरझत, टूटत कुटुम, जुरत चतुर-चित प्रीति(363) 10. बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ (472)

घनानंद (घनानंद कवित्त –सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र से 5 पद) : 1. झलकै अति सुन्दर आनन गौर (2) 2. पहिलेँ घन-आनंद सींचि सुजान कहीं बतियाँ अति प्यार पगी (10) 3. रावरे रूप की रीति अनूप, नयो-नयो लागत ज्यौं-ज्यौं निहारियै (15) 4. अति सूधो सनेह को मारग है जहाँ नेकु सयानप बांक नहीं (82) 5. पूरन प्रेम को मंत्र महा पण जा मधि सोधि सुधारि है लेख्यौ (97)

इकाई: छ:

पद्माकर (रीतिकाव्य संग्रह—सं. जगदीश गुप्त, 5 पद) 1. जाहिरै जागति सी जमुना जब बूड़े बहै उमगै वह बैनी 2. भाल पै लाल गुलाल, गुलाल सों गेरि गरै गजरा अलबेलौ 3. हौं अलि आज बड़े तरके भरि कै घट गौरस कौ पग धारों 4. जब लौं घर को धनी आवै घरै तब लौं तौ कहूँ चित देवों करौ 5. हैं नहि माइको मेरी भटू यह सासुरो है सब कि सहिबो करौ

भूषण (स्वर्ण मञ्जूषा— सं. नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार से 5 पद) : 1. पावक तुल्य अमीतन को भयो (1) 2. इंद्र जिमि जम्भ पर बाडव ज्यौं अंभ पर(5) 3. बासब-से बिसरत बिक्रम की कहा चली(11) 4. भुज-भुजगेस की वै संगिनी भुजंगिनी-सी (17) 5. साजि चतुरंग बीर-रंग में तुरंग चढ़ि(20)

सहायक ग्रन्थ / सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. अमीर खुसरो- सं. माधव हाड़ा, राजपाल एण्डसन्ज़, मदरसारोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली -110006
2. विद्यापति –शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. कबीर ग्रंथावली –सं० श्यामसुंदर दास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
4. रहीम- सं. माधव हाड़ा, राजपाल एण्डसन्ज़, मदरसा रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली - 110006
5. सूरसागर सटीक –सं०- धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लिमिटेड, इलाहाबाद
6. कवितावली- तुलसीदास, गीता प्रेस, गोरखपुर
7. मीरा का काव्य- सं० विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
8. मीरा- एक पुनर्मूल्यांकन-- सं० पल्लव, आधार प्रकाशन, हरियाणा
9. पचरंग चोला पहर सखी री-- माधव हाड़ा -, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
10. बैद हि ओखद जाणै - माधव हाड़ा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
11. बिहारी रत्नाकर- जगन्नाथ दास रत्नाकर, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
12. घनानंद-कवित्त –सं० विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
13. स्वर्ण-मंजूषा- सं० नलिन विलोचन शर्मा, केसरी कुमार; मोतीलाल- बनारसी दास, दिल्ली
14. कबीर- हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
15. भक्ति-काव्य यात्रा-रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
16. हिंदी के प्राचीन प्रतिनिधि कवि- द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
17. भक्ति आन्दोलन और सूरदास का काव्य- मैनेजर पांडेय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
18. सूरदास –आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
19. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
20. लोकवादी तुलसीदास-विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली



21. घनानंद – लल्लन राय, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली
22. रीतिकाव्य की भूमिका –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
23. बिहारी-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
24. महाकवि भूषण- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
25. सूरदास –सं० हरवंशलाल शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
26. घनानंद और स्वच्छंद काव्यधारा–मनोहरलाल गौड़, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
27. महाकवि सूरदास –नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
28. सूरदास – ब्रजेश्वर वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
29. खुसरो , तानसेन तथा अन्य कलाकार – सुलोचना वृहस्पति
30. अमीर खुसरो और उनका हिंदी साहित्य – भोलानाथ तिवारी
31. पद्माकर कवि – सुकदेव दुबे
32. पद्माकर की रचनाओं का पुनर्मूल्यांकन – डॉ. सुषमा शर्मा
33. पद्माकर की काव्य साधना – अखौरी गंगा प्रसाद सिंह
34. देव और पद्माकर तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. राम कुमार शर्मा
35. रहीम का नीति काव्य – बालकृष्ण अर्किचन
36. रहीम की राष्ट्रीयता – देवेन्द्र प्रताप सोलंकी
37. अब्दुरहीम खानखाना – समर बहादुर सिंह



Semester-II

Course Name : Anuvad Vigyan

COURSE CODE : MDC216

Course Type: MD (Theoretical)	Course Details: MDC-2		L-T-P: 2-1-0		
Credit: 3	Full Marks: 50	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		15	35

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी अनुवाद के प्रयोजन और प्रक्रिया को समझ सकेंगे।
2. कार्य करने की क्षमता का विकास विद्यार्थियों में होगा।
3. विद्यार्थियों में अच्छे अनुवादक बनने की इच्छा जागृत हो सकेगी।
4. अनुवाद की प्रयोजन तथा प्रक्रिया की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।

Content/ Syllabus:

इकाई -1. अनुवाद : अर्थ, अवधारणा, प्रकार और क्षेत्र

इकाई -2- भारत में अनुवाद की परम्परा का विकास

इकाई -3. अनुवाद : महत्त्व, समस्याएँ, सीमाएँ और संभावनाएँ



इकाई-4. अनुवाद का प्रायोगिक पक्ष (हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद)

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. अनुवाद विज्ञान: सिद्धांत और अनुप्रयोग, सं- डा०. नगेंद्र
2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा, कुमार सुरेश
3. अनुवाद विविध आयाम, चतुर्वेदी और कृष्ण कुमार गोस्वामी,
4. अनुवाद विज्ञान सिद्धांत और प्रविधि, भोलानाथ तिवारी
5. अनुवाद कला कुछ विचार, आनंद प्रकाश खेमाज-
6. अनुवाद विज्ञान, भोलानाथ तिवारी-
7. अनुवाद विज्ञान भूमिका, कृष्ण कुमार गोस्वामी-
8. अनुवाद का समकाल- डॉ मोहसिन खान
9. अनुवाद का नया विमर्श- श्रीनारायण समीर
10. अनुवाद की समस्याएं- जी.गोपीनाथन
11. अनुवाद: सिद्धांत एवं प्रयोग-जी.गोपीनाथन



Semester-II

Course Name: Social Media

Course Code: BAHINSE201

Course Type: SE (Theoretical)	Course Details: SEC-2		L-T-P: 2-1-0		
Credit: 3	Full Marks: 50	CA Marks		ESE Marks	
		Practical 1	Theoretical	Practical	Theoretical
		15	35

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थियों में सोशल मीडिया के विविध आयामों की समझ विकसित होगी।
2. विद्यार्थी मीडिया की निरंतर बदलती हिंदी भाषा से परिचित हो सकेंगे।
3. इंटरनेट के उपयोग को जान पाएगा।

Content/ Syllabus:

इकाई-1 : इंटरनेट, विकीपीडिया, यू-ट्यूब, फेसबुक

इकाई-2 : हिंदी वेबसाइट और ब्लॉग लेखन की अवधारणा

इकाई-3 : सोशल मीडिया एवं वेब मीडिया का प्रभाव

इकाई-4 : ट्विटर, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, टिंडर, स्नैपचैट



संदर्भ ग्रंथ :

- 1- इंटरनेट विज्ञान—नीति मेहता
- 2- जनसम्पर्क स्वरूप और सिद्धांत—डॉ. राजेंद्र प्रसाद
- 3- हिन्दी के यशस्वी पत्रकार : क्षेमचन्द सुमन
- 4- राष्ट्रीय नवजागरण-हिन्दी पत्रकारिता : मीरा रानी बल
- 5- सूचना का अधिकार : सं० हरिवंश
- 6- मीडिया समग्र (11 खण्ड) : जगदीश्वर चतुर्वेदी
- 7- नये जन – संचार माध्यम और हिंदी – सं. : सुधीश पचौरी, अचला शर्मा
- 8- हिंदी वेब साहित्य – सुनील कुमार लवटे



Student exiting the programmes after securing 40 credit will be awarded UG Certificate in the relevant Discipline/ Subject provided they secure following 4 credit in work based vocational course/summer internship during 1st year

Semester –II

Course Name: Summer Internship (Hindi Bhashi Samaj Ka Sarvekshan)

Course Code: SI201

Course Type: SI	Course Details: SIC-1		L-T-P: 0-0-8		
Credit: 4	Full Marks: 50	CA Marks		ESE Marks	
		Practica 1	Theoreti cal	Practical	Theoreti cal
		30	NA	20	NA

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1. हिंदी भाषी समाज का सामाजिक , सांस्कृतिक , ऐतिहासिक एवं आर्थिक स्थितियों का ज्ञान प्राप्त होगा।
2. हिंदी भाषी समाज की विकास की प्रेरणा उत्पन्न होगी।
3. हिंदी भाषी समाज की समस्याओं को दूर करने की भावना उत्पन्न होगी।



Content/ Syllabus:

निर्देश :- छात्रों को हिंदी भाषी समाज के किसी एक मुहल्ले का जिसमें न्यूनतम दस परिवार आते हों , का सामाजिक , सांस्कृतिक , ऐतिहासिक एवं आर्थिक सर्वेक्षण करते हुए 5000 शब्दों में एक परियोजना प्रस्तुत करनी होगी ।

Semester –III

Course Name :Bhasha Vigyan Aur Hindi Bhasha

COURSE CODE : BAHINMJ301

Course Type: MAJOR (Theoretical)	Course Details: MJC-3		L-T-P: 4-1-0		
Credit: 5	Full Marks: 100	CA Marks		ESE Marks	
		Practica 1	Theoreti cal	Practical	Theoreti cal
		30	70

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी हिंदी भाषा के विकास क्रम और उसकी बोलियों की पूर्ण जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी हिंदी भाषा की ध्वनियों और समय-समय पर उन में हुए परिवर्तन को समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थी राजभाषा, राष्ट्रभाषा और संपर्क भाषा के रूप में हिंदी भाषा के महत्व को समझ सकेंगे।
4. विद्यार्थी को हिंदी भाषा का समुचित और तर्कसंगत ज्ञान हो सकेगा।



Content/ Syllabus:

इकाई-1: भाषा :परिभाषा, भाषा और बोली, भाषा विज्ञान:सामान्य परिचय, भाषा विज्ञान के अंग, अध्ययन की पद्धतियाँ

इकाई-2: ध्वनि विज्ञान : परिभाषा, ध्वनि उच्चारण के अवयव, ध्वनि का वर्गीकरण तथा ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई- 3: हिंदी भाषा का विकास : हिंदी भाषा परिवार की विभिन्न बोलियाँ,सामान्य परिचय, खड़ीबोली हिंदी का विकास

इकाई- 4: अर्थ विज्ञान : परिवर्तन के कारण और दिशाएँ

इकाई- 5: वाक्य विज्ञान : परिभाषा, प्रकार और वाक्य-परिवर्तन

इकाई-6: हिंदी के विभिन्न रूप : राष्ट्रभाषा,राजभाषा और संपर्क भाषा, हिंदी का मानकीकरण

संदर्भ ग्रंथ :

- 1- भाषा विज्ञान प्रवेश एंव हिंदी भाषा—डॉ.भोलानाथ तिवारी
- 2- भाषा विज्ञान की भूमिका – देवेन्द्र नाथ शर्मा
- 3- भाषा विज्ञान सैद्धांतिक चिंतन-रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
- 4- हिन्दी भाषा का इतिहास-- डॉ.भोलानाथ तिवारी
- 5- हिन्दी भाषा—हरदेव बाहरी
- 6- प्रयोजनमूलक हिंदी—विनोद गोदरे
- 7- प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
- 8- व्यवहारिक हिंदी पत्राचार-- दंगल झाल्टे
- 9- मानक हिंदी का शुद्धीपरक व्याकरण—रमेशचंद्र मलहोत्रा
- 10- मानक हिंदी स्वरूप और संरचना—डॉ.रामप्रकाश
- 11- परिष्कृत हिंदी व्याकरण—बदरीनाथ कपूर
- 12- सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग-गोपीनाथ श्रीवास्तव
- 13 - हिन्दी क्रियाओं की रूप-रचना- बदरीनाथ कपूर
- 14- अच्छी हिन्दी- माधव सोनटक्के
- 15 - हिन्दी प्रयोग- रामचन्द्र वर्मा, बदरीनाथ कपूर
- 16 - बोलचाल की हिन्दी- सुशीला गुप्ता

Semester –III
Course Name: Aadhunik Hindi Kavya : Chhayavad Tak

COURSE CODE : BAHINMJ302

Course Type: MAJOR	Course Details: MJC-4		L-T-P: 4-1-0		
Credit: 5	Full Marks: 100	CA Marks		ESE Marks	
		Practica 1	Theoreti cal	Practical	Theoreti cal
		30	70

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

- 1)भारतेंदु युग से छायावाद युग तक के कवियों का परिचय करवाना।
- 2)छायावाद युग तक के कवियों तथा काव्य-संग्रहों से परिचित करवाना।
- 3)छायावादी काल तक के कवियों के अवदान से परिचित करवाना।

Content/ Syllabus:

इकाई : एक

भारतेंदु हरिश्चंद्र :- दशरथविलाप, बसंत, प्रात समीरन, नये ज़माने की मुकरियाँ
(भारतेंदु समग्र से)

अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : पवनदूत प्रसंग ('प्रियप्रवास' के षष्ठ सर्ग का छंद
सं० 26-से तक 50)

इकाई दो :

33



Kaju Kumari Shaw
Dr. Kaju Kumari shaw
Coordinator & Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol- 713340

Co-ordinator &
Assistant Professor
Department of Hindi
Kazi Nazrul University
Asansol - 713340

मैथिलीशरण गुप्त :- हम कौन थे क्या हो गए, सखि वे मुझसे कहकर जाते, प्रियतम तुम श्रुति पथ से

रामनरेश त्रिपाठी : कामना, अतुलनीय जिनके प्रताप का, पुष्प विकास

इकाई तीन :

जयशंकर प्रसाद : बीती विभावरी जाग री, मेरे नाविक, पेशोला की प्रतिध्वनि
सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : बादल राग- 6, जागो फिर एक बार, स्नेह निर्झर बह गया है

इकाई चार :

सुमित्रानंदन पन्त : नौका-विहार, ताज, भारत माता

महादेवी वर्मा : विरह का जलजात जीवन, मधुरमधुर मेरे दीपक जल-, हे चिर महान

इकाई पाँच :

सुभद्रा कुमारी चौहान : जलियाँवाला बाग में बसंत, ठुकरा दो या प्यार करो, झांसी की रानी की समाधि पर

रामकुमार वर्मा : हे ग्रामदेवता, किरण कण ,मौन करुणा

इकाई छह :

सोहन लाल द्विवेदी : कोशिश करने वालों की हार नहीं होती, नववर्ष, नैनों की रेशम डोरी से

माखन लाल चतुर्वेदी : कैदी और कोकिला, मरण ज्वार, सौदा

सहायक ग्रन्थ / सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रसाद, निराला, पन्त और महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ –संपादक वाचस्पति पाठक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. प्रियप्रवास – अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔध', हिंदी साहित्य कुटीर, वाराणसी
3. भारत भारती– मैथिलीशरण गुप्त, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
4. यशोधरागुप्त मैथिलीशरण -, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
5. प्रसाद अज्ञेय-निराला—रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
6. निराला की साहित्य साधना, खंड-2, रामविलास शर्मा- , राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
7. निराला आत्महंता आस्था :दूधनाथ सिंह , लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
8. निराला की कविताएँ और काव्यभाषा –रेखा खरे, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. सुमित्रानंदन पन्त –डॉ० नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नयी दिल्ली
10. महादेवी, परमानंद श्रीवास्तव :, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
11. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि –द्वारिका प्रसाद सक्सेना, श्री विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
12. सुमित्रानंदन पन्त –कृष्णदत्त पालीवाल, साहित्य अकादेमी, इलाहाबाद
13. सुमित्रानंदन पन्त जीवन और साहित्य :भाग(2), राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
14. मैथिलीशरण गुप्त, नंदकिशोर नवल -, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
15. भारतेंदु ग्रंथावली (खंड- 3) सं - ओमप्रकाश सिंह, प्रकाशन संस्थान नई दिल्ली
16. भारतेंदु समग्र, सं- हेमंत शर्मा, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
17. राष्ट्रकवि सोहनलाल द्विवेदी, डॉ. राष्ट्रबंधु, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान, लखनऊ
18. डॉ. रामकुमार वर्मा की साहित्य साधना, संपादक डॉ. चंद्रिका प्रसाद शर्मा, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
19. आज के लोकप्रिय हिंदी कवि डॉ रामकुमार वर्मा, डॉ. राधाकृष्ण श्रीवास्तव, राजपाल एंड संस, दिल्ली
20. डॉ. रामकुमार वर्मा के काव्य का मूल्यांकन, डॉ. प्रभा भट्ट, अन्नपूर्णा प्रकाशन, कानपुर
21. विद्रोहिणी कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान, सं. डॉ. शिवनारायण, विशाल पब्लिकेशन, पटना



Semester-III
Course Name: Aadhunik Hindi Kavya

COURSE CODE- BAHINMN301

Course Type: MINOR (Theoretical)	Course Details: MNC-3		L-T-P: 4-1-0		
Credit: 5	Full Marks: 100	CA Marks		ESE Marks	
		Practical	Theoretical	Practical	Theoretical
		30	70

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के विकासक्रम को समझ सकेंगे।-
2. विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के सामाजिकसांस्कृतिक संदर्भों को समझ सकेंगे।-
3. विद्यार्थियों में आधुनिक हिंदी कविता की संवेदना और शिल्प की समझ विकसित होगी।
4. विद्यार्थी साहित्य और समाज के अंतर्संबंध को बेतर समझ सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1 - i) प्रसाद – पेशोला की प्रतिध्वनि , ले चल वहां भुलावा देकर
ii) निराला – राजे ने रखवाली की, कुकुरमुत्ता

इकाई-2- i) पंत – प्रथम रश्मि, छोड़ द्रुमों की मृदु छाया
ii) महादेवी वर्मा पंथ होने दो अपरिचित, अब वरदान कैसा

इकाई-3 - i) अज्ञेय – बावरा अहेरी, नदी के द्वीप

ii) मुक्तिबोध – लकड़ी का रावण, भूलगलती



इकाई-4 – i) नागार्जुन – प्रतिबद्ध हूं, गुलाबी चूड़ियां
ii) केदारनाथ अग्रवाल – आज नदी बिल्कुल उदास थी, जो शिलाएं तोड़ते हैं

इकाई-5. i) धर्मवीर भारती—टूटा पहिया, थके हुए कलाकार से
ii) कुंवर नारायण –अबकी बार लौटा तो, नई किताबें

इकाई-6. i) कात्यायनी—अपराजिता, गार्गी
ii) जसिंता केरकेट्टा – सभ्यताओं के मरने की बारी; नदी, पहाड़ और बाजार

संदर्भ ग्रंथ :-

1. समकालीन हिंदी कविता : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य – ओम निश्चल, विजया बुक्स , विजया बुक्स, नई दिल्ली
2. अज्ञेय की काव्य-तिथीर्षा : नन्दकिशोर आचार्य
3. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
4. अज्ञेय : सं० विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
5. नागार्जुन का काव्य : अजय तिवारी
6. मुक्तिबोध की काव्यप्रक्रिया : अशोक चक्रधर
7. निराला की साहित्य साधना (भाग – 1,2,3) : रामविलास शर्मा
8. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर
9. सुमित्रानंदन पंत : डॉ० नगेंद्र
10. दिनकर के काव्य में युग चेतना : डॉ० पन्ना
11. केदारनाथ अग्रवाल रचना संचयन -- संपादक पुंडरीक नरेंद्र :
12. चुनी हुई कविताएँ (संपादक : नरेंद्र पुंडरीक) रचनाकार : केदारनाथ अग्रवाल प्रकाशन : अनामिका प्रकाशन संस्करण : 2011
13. प्रगतिशील काव्यधारा और केदारनाथ अग्रवाल – सं. रामविलास शर्मा, प्रकाशन- साहित्य भंडार



Semester-IV
Course Name:Hindi Upanyas

COURSE CODE : BAHINMJ401

Course Type: MAJOR	Course Details: MJC-5		L-T-P: 4-1-0		
Credit: 5	Full Marks: 100	CA Marks		ESE Marks	
		Practica 1	Theoreti cal	Practical	Theor etical
		30	70

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. भारतीय जीवनमूल्यों और मानवीय संदर्भों से छात्र परिचित हो सकेंगे।
2. प्रेमचंद के साहित्य में प्रतिबिंबित समाज और उनकी भाषा शैली से अवगत होते हुए नई चिंतन दृष्टि से समृद्ध हो सकेंगे।
3. जैनेन्द्र का जीवन परिचय और साहित्यिक लेखन से परिचित होते हुए त्यागपत्र उपन्यास में व्यवस्था के अंतर्गत स्त्री की स्थिति को जान सकेंगे।
4. ग्लोबल गाँव के देवता, उपन्यास से छात्र आदिवासी समाज की स्थानीय समस्याओं को समझ सकेंगे।

Content/ Syllabus:

- इकाई-1: सेवासदन—प्रेमचंद
इकाई-2: त्यागपत्र — जैनेन्द्र
इकाई-3: आपका बंटी—मन्नू भंडारी
इकाई- 4 : रागदरबारी – श्रीलाल शुक्ल
इकाई- 5 दौड़ –ममता कालिया
इकाई- 6 झूलानट—मैत्रेयी पुष्पा

संदर्भ ग्रंथ :

- 1- प्रेमचंद विरासत का सवाल—शिवकुमार मिश्र
- 2- प्रेमचंद का पूनर्मूल्यांकन—शम्भुनाथ
- 3- प्रेमचंद और उनका युग—रामविलास शर्मा
- 4- हिंदी उपन्यास का इतिहास—गोपाल राय
- 5- हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा—रामदरश मिश्र
- 6- आधुनिकता और हिंदी उपन्यास – इंद्रनाथ मदान
- 7- उपन्यास समीक्षा के नए प्रतिमान—दंगल झाल्टे
- 8- हिंदी के आंचलिक उपन्यास और उनकी शिल्प विधि—आदर्श सक्सेना
- 9- उपन्यास की संरचना—गोपाल राय
- 10- प्रेमचंद के उपन्यासों का शिल्प-विधान - कमल किशोर गोयनका
- 11- मैला आंचल – मधुरेश
- 12- फणीश्वरनाथ रेणु और मैला आंचल—गोपाल राय
- 13- ममता कालिया-सृजनात्मकता के आयाम -3 , संपादक – पल्लव , नई किताब प्रकाशन समूह, दिल्ली – 110032
- 14- ममता कालिया : पलपल पुनर्नवा सृजन सरोकार, वर्ष 6/अंक-2-3 /जनवरी-जून, नई दिल्ली- 110063
- 15- ममता कालिया विशेषांक, लमही पत्रिका, संपादक – विजय राय, लखनऊ, जुलाई- सितंबर
16. श्रीलाल शुक्ल की दुनिया, सं. अखिलेश
17. शुक्ल: विचार विश्लेषण एवं जीवन, प्रेम जनमेजय

Semester-IV
Course Name: Hindi Kahani
COURSE CODE : BAHINMJ402

Course Type: MAJOR	Course Details: MJC-6	L-T-P: 4-1-0			
Credit: 5	Full Marks: 100	CA Marks		ESE Marks	
		Practica 1	Theoreti cal	Practical	Theor etical
		30	70

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. हिन्दी कहानी की विकास यात्रा से परिचित हो सकेंगे।
2. प्रेमचंद की कहानी, सवा सेर गेहूँ के माध्यम से किसानों के संघर्ष और पीड़ा से परिचित हो सकेंगे।
3. प्रसाद की कहानियों के माध्यम से प्रेम और उत्सर्ग के उदात्त भाव को आत्मसात् कर राष्ट्रप्रेम के महत्व को समझ सकेंगे।
4. बदलते परिवेश में कहानियों के प्रतिपाद्य का विवेचन कर सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1 (क) प्रेमचंद - सवा सेर गेहूँ

(ख) जयशंकर प्रसाद- गुंडा

इकाई-2 (क) जैनेंद्र - अपना - अपना भाग्य

(ख) अज्ञेय – गैंग्रिन

इकाई-3 (क) रेणु—लालपान की बेगम

(ख) अमरकांत - दोपहर का भोजन

इकाई-4 (क) उषा प्रियंवदा – वापसी

(ख) ज्ञानरंजन—पिता

इकाई-5 (क) संजीव – बाघ

(ख) उदय प्रकाश- दरियाई घोड़ा

इकाई-6 (क) नासिरा शर्मा—पत्थर गली

(ख) मधु कांकरिया—नामर्द

संदर्भ ग्रंथ --

- 1) मानसरोवर भाग-4 - प्रेमचंद
- 2) प्रतिनिधि कहानियाँ - जयशंकर प्रसाद
- 3) प्रतिनिधि कहानियाँ - जैनेन्द्र
- 4) सम्पूर्ण कहानियाँ - उषा प्रियंवदा
- 5) प्रतिनिधि कहानियाँ - निर्मल वर्मा
- 6) प्रतिनिधि कहानियाँ - अमरकांत
- 7). हिंदी कहानी : उद्भव और विकास – डॉ. सुरेश सिंहा
- 8). हिंदी कहानी : पहचान और परख – सं. इंद्रनाथ मदान
- 9). कहानी : नयी कहानी – नामवर सिंह
- 10). कहानी शिल्प और संवेदना – राजेंद्र यादव



- 11). नयी कहानी संदर्भ और प्रकृति – देवीशंकर अवस्थी
- 12). हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
- 13). जनवादी कहानी – रमेश उपाध्याय
- 14). दलित साहित्य : बुनियादी सरोकार – कृष्णदत्त पालीवाल
- 15). यशपाल – मधुरेश
- 16). निर्मल वर्मा – सं. अशोक बाजपेयी
- 17) बीतते हुए – मधु काँकरिया
- 18) रेणु शतवर्ष विशेषांक - (मुक्तांचल पत्रिका, अंक २३) – जनवरी – मार्च २०२१- सं. मीरा सिन्हा
19. संवेद, रेणु विशेषांक, सं. किशन कालजयी, अंक-123, मार्च-2021



Semester-IV
Course Name: Prayojanamoolak Hindi

COURSE CODE :BAHINMN401

Course Type: MINOR	Course Details: MNC-4	L-T-P: 4-1-0			
Credit: 5	Full Marks: 100	CA Marks		ESE Marks	
		Practica 1	Theoreti cal	Practical	Theor etical
		30	70

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. भाषा को शुद्ध रूप से पढ़ना, लिखना और बोलना सीखेंगे।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की उपादेयता को समझ सकेंगे।
3. प्रशासनिक पत्राचार के स्वरूप और प्रकार को समझते हुए, प्रशासनिक पत्रों का मसौदा तैयार कर सकेंगे।
4. कार्यालयी हिन्दी में अनुवाद की आवश्यकता से परिचित होने के अलावा कार्यालयीन अनुवाद की समस्या और चुनौतियों को भी जान सकेंगे।

Content/ Syllabus:

इकाई-1. प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ , उपयोगिता और प्रयोग क्षेत्र

इकाई-2. प्रशासनिक पत्राचार : सरकारी पत्र , अर्ध-सरकारी पत्र , कार्यालयी ज्ञापन और अनुस्मारक, निविदा, परिपत्र , अधिसूचना

इकाई-3: कार्यालयी हिंदी में अनुवाद की भूमिका

इकाई-4: कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ एवं चुनौतियाँ



इकाई-5: अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं , कार्यालयी और साहित्यिक अनुवाद में अंतर

इकाई-6: पारिभाषिक शब्दावली : 50 शब्द

1. Advance. – अग्रिम	26	Abatement – अवसान
2. Agreement – अनुबंध	27	Abolition - उन्मूलन
3. Assured – विमित	28	Accusation – अभियोग
4. Balance sheet. – तुलनपत्र	29	Ad-hoc - तदर्थ
5. Book credit - खाता-उधार	30	Admissibility - स्वीकार्य
6. Borrowed note - जमानती रुका	31	Afforesaid - पूर्वोक्त
7. Call money - शीघ्रावधि द्रव्य	32	Appendix - परिशिष्ट
8. Confiscation. – अधिहरण	33	Bonafides - सद् भाव
9. Contract. – सविदा	34	Charge- प्रभार
10. Disbursement. – संवितरण	35	Clerical Error - लेखन अशुद्धि
11. Dividend – लाभांश	36	Consent – सहमति
12. Exchange – विनिमय	37	De jure - विधित
13. Follow up – अनुवर्तन	38	. Dictation – श्रुतलेख
14. Goodwill. – सुनाम	39	Dissent – असहमति
15. Import. – आयात	40	Efficiency Bar - दक्षता रोक
16. Inflation – स्फीति	41	Equipment – उपस्कर
17. Instrument – प्रपत्र	42	Ex - officio – पदेन Forwarding letter- अग्रसरण पत्र
18. Investment – निवेश	43	Immigration- आवास
19. Issue. – निर्गम	44	Initials – आद्यक्षर
20. Liability – देयता	45	joining Report- कार्यारंभ प्रतिवेदन
21. Margin - लाभ – सीमा	46	Modus Operandi- कार्य – प्रणाली
22. Negotiability – पराक्राम्यता	47	Personnel- कार्मिक
23. Promissory note- रुका	48	Returning officer - निर्वाचन
24. Risk. – जोखिम	49	



अधिकारी

25. Under writing –. जोखिम

अंकन

50 Workshop - कार्य-गोष्ठी

नोट - [प्रशासनिक शब्दावली](#) (वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग)

संदर्भ ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
2. हिंदी पत्रकारित और जनसंचार—ठाकुरदत्त आलोक
3. प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
4. राजभाषा हिंदी—भोलानाथ तिवारी
5. राजभाषाहिंदी: प्रकाशनविभाग, भारत सरकार
6. नागरी लिपि : लिपि और वर्तनी: अनंत चौधरी
7. नागरी लिपि और उसकी समस्याएं : नरेश शर्मा
8. व्यवहारिक हिंदी : रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
9. राष्ट्रभाषा हिंदी :समस्याएं और समाधान: देवेन्द्रनाथ शर्मा
10. हिंदी आलोचना और टिप्पणी :ओमप्रकाशशर्मा
11. राजभाषा हिंदी : भोलानाथ तिवारी



Semester –IV
Course Name : Vigyapan Aur Hindi
COURSE CODE : BAHINSE-401

Course Type: SE	Course Details: SEC-3		L-T-P: 2 - 1 - 0		
Credit: 3	Full Marks: 50	CA Marks		ESE Marks	
		Practical 1	Theoretical	Practical	Theoretical
		15	35

Course Learning Outcomes:

(After the completion of course, the students will have ability to):

1. विद्यार्थी विज्ञापन के विविध रूपों से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थियों में विज्ञापन लेखन कौशल का विकास हो सकेगा।

Content/ Syllabus:

- इकाई-1: विज्ञापन की परिभाषा, प्रकार और उद्देश्य
इकाई-2 : विज्ञापन : परम्परा और विकास, समाज और संस्कृति पर प्रभाव
इकाई-3: विज्ञापन एजेंसियाँ और उद्योग
इकाई-4 : विज्ञापन की भाषा शैली और हिंदी

संदर्भ ग्रंथ :

- 1- मीडिया लेखन कला—सूर्यप्रकाश दीक्षित
- 2- मीडिया लेखन—डॉ. यू.सी. गुप्ता
- 3- व्यवहारिक पत्रकारिता-- डॉ. यू.सी. गुप्ता
- 4- मीडिया लेखन और सम्पादन कला—गोविंद प्रसाद
- 5- जनसम्पर्क, स्वरूप और सिद्धांत—डॉ. राजेंद्र प्रसाद
- 6- प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गोदरे
- 7- प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग—दंगल झाल्टे
- 8- विज्ञापन, बाज़ार और हिंदी— कैलाश नाथ पाण्डेय
- 9- विज्ञापन और जनसम्पर्क— डॉ. मुक्ति नाथ झा, सुधांशु श्री वास्तव
- 10- जन-सम्पर्क के विविध आयाम— पवित्रा श्रीवास्तव, सी. के. सरदाना

Student exiting the programmes after securing 84 credits will be awarded UG Certificate in the relevant Discipline/ Subject provided they secure following 4 credit in work based vocational course/summer internship during 2nd year

Semester –IV

Course Name: Summer Internship (Hindi Sevi Sansthan Ka Sarvekshan)

Course Code: SI401

Course Type: SI	Course Details: SID-1		L-T-P: 0-0-8		
Credit: 4	Full Marks: 50	CA Marks		ESE Marks	
		Practica 1	Theoreti cal	Practical	Theoreti cal
		30	NA	20	NA

Course Learning Outcomes

After the completion of course, the students have ability to :

1. इस पाठ्यक्रम के तहत विद्यार्थी किसी संस्थानों का सर्वेक्षण करने की पद्धति को सीख पाएंगे ।
2. इस पाठ्यक्रम के तहत अहिन्दी भाषी क्षेत्रों में हिंदी सेवी संस्थानों का हिंदी के प्रचार प्रसार के योगदान को जान पाएंगे ।

निर्देश :- छात्रों को किसी एक विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, शोध संस्थान , पुस्तकालय तथा हिंदी सेवी संस्था के हिंदी सम्बन्धी योगदान का सर्वेक्षण करते हुए अधिकतम 5000 शब्दों में एक लिखित परियोजना तैयार करनी होगी

